DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 September, 2024

उत्तर पूर्वी भारत में शांति समझौते और उग्रवाद

संदर्भ: *हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा त्रिपुरा के दो सशस्त्र समूहों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किया जायेगा।*

➢ **अवलोकन:**

- पूर्वोत्तर में शांति और समृद्धि के लिए 12 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये है।
- तीन समझौते विशेष रूप से त्रिपुरा से संबंधित हैं।
- इन समझौतों के कारण लगभग 10,000 लोगों ने हथियार डाल दिये हैं।

त्रिपुरा में विद्रोही समूह

➢ **नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी)**

- **गठन** : 1989
- **उद्देश्य** : स्वतंत्र त्रिपुरा की मांग करना; राज्य प्रशासन को बाधित करना।
- **गतिविधियाँ** : सशस्त्र विद्रोह, जबरन वसूली, हिंसा करना।
- **स्थिति** : गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित।

➢ **ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ)**

- **गठन** : 1990
- **उद्देश्य** : सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से स्वतंत्र त्रिपुरा की स्थापना करना।
- **गतिविधियाँ** : उग्रवादी गतिविधियाँ, सुरक्षा बलों पर हमले, जबरन वसूली करना।
- **स्थिति** : गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंधित।

पूर्वोत्तर भारत में प्रमुख ऐतिहासिक शांति समझौते और राज्य मंत्री

➢ **मिजोरम समझौता, 1986 :**

- **शामिल पक्ष** : इसमें भारत सरकार, मिजोरम सरकार और मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) शामिल है।
- **परिणाम** : मिजो समुदाय की स्वायत्तता और विकास के प्रावधानों के साथ मिजोरम को एक पूर्ण राज्य के रूप में स्थापित किया गया।

➢ **नागा समझौता, 2015 :**

- **शामिल पक्ष** :इसमें भारत सरकार और नेशनलिस्ट सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (इसाक-मुइवा) (एनएससीएन-आईएम) शामिल है।
- **परिणाम** : यह समाधान के लिए व्यापक सिद्धांतों को रेखांकित करने वाला समझौता है, हालांकि विस्तृत शर्तें और कार्यान्वयन अभी भी प्रगति पर है।

➢ **त्रिपुरा समझौता, 2019 :**

- **शामिल पक्ष** : भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार और नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी)।
- **परिणाम** : एनएलएफटी कार्यकर्ताओं का आत्मसमर्पण और राजनीतिक मुख्यधारा में एकीकरण करना।

➢ **बोडो समझौता, 2020 :**

- **सम्मिलित पक्ष** : भारत सरकार, असम सरकार और बोडो संगठन।
- **परिणाम** : बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) की स्थापना, बोडो परिषद की शक्तियों में वृद्धि और बोडो क्षेत्रों के विकास के लिए प्रावधान करना।

➢ **ब्रू-रियांग समझौता, 2020 :**

- **सम्मिलित पक्ष** : भारत सरकार, मिजोरम और त्रिपुरा सरकारें, तथा ब्रू संगठन।
- **परिणाम** : गृह मंत्रालय द्वारा समाधान प्रक्रिया को वित्तपोषित करने की प्रतिबद्धता दिखती है, जिसका उद्देश्य शरणार्थी मुद्दों का समाधान करना और क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देना है।

➢ **कार्बी आंगलोंग समझौता, 2021:**

- **शामिल पक्ष:** भारत सरकार, असम सरकार, पांच विद्रोही समूह: केएलएनएलएफ (कार्बी लोंगरी नॉर्थ कछार हिल्स लिबरेशन फ्रंट), पीडीसीके (पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी), यूपीएलए (यूनाइटेड पीपुल्स लिबरेशन आर्मी), केपीएलटी (कार्बी पीपुल्स लिबरेशन टाइगर्स), केएलएफ (कार्बी लिबरेशन फ्रंट)
- **परिणाम:** 5 उग्रवादी संगठनों ने हथियार डाल दिए तथा उनके 1000 से अधिक सशस्त्र कार्यकर्ता हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो गए।

➢ **सामरिक महत्व**

- **दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेशद्वार** : पूर्वोत्तर भारत म्यांमार और उससे आगे तक भारत के लिए सेतु का काम करता है।
- **एक्ट ईस्ट नीति** : यह क्षेत्र भारत की पूर्व दिशा में भागीदारी और एशिया में प्रादेशिक सीमा के लिए महत्वपूर्ण है।

➢ **सांस्कृतिक महत्व**

- **विविध संस्कृतियाँ** : यहाँ 200 से अधिक जनजातियों का निवास, जो समृद्ध सांस्कृतिक सम्मिश्रण को दर्शाता है।
- **त्यौहार** : इसमें हॉर्नबिल महोत्सव (नागालैंड) और पंग ल्हाबसोल (सिक्किम) जैसे उल्लेखनीय त्यौहार शामिल हैं।
- **विशिष्ट प्रथाएं** : दहेज मुक्त क्षेत्र, विशिष्ट लोक नृत्य रूप जैसे बिहू (असम), तथा मणिपुर में पवित्र उपवन (उमंगलाई)।

➢ **आर्थिक महत्व**

- **प्राकृतिक संसाधन** : यह राज्य चाय, तेल और लकड़ी (टीओटी) से समृद्ध है।
- **जलविद्युत शक्ति** : यहाँ 50,000 मेगावाट जलविद्युत शक्ति की क्षमता है।
- **जीवाश्म ईंधन** : यहाँ आर्थिक विकास में योगदान देने वाले प्रचुर भंडार है।

➢ **पारिस्थितिक महत्व**

- **जैव विविधता हॉटस्पॉट** : यह उच्च पक्षी और वनस्पति विविधता वाला भारत-बर्मा जैव विविधता हॉटस्पॉट का हिस्सा है।
- **भालू प्रजातियाँ** : यह क्षेत्र भारत में मौजूद सभी भालू प्रजातियों का घर है।

पूर्वोत्तर विकास के लिए सरकारी पहल

➢ **पूर्वोत्तर भारत में बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी पहल**

- **भारतमाला परियोजना:** पूरे भारत में सड़क सम्पर्क को बढ़ाना, माल और यात्री आवागमन की दक्षता में सुधार पर ध्यान केन्द्रित करना।
- इसका उद्देश्य प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क गलियारों का विकास करना है, जिससे पूर्वोत्तर क्षेत्र को शेष भारत से बेहतर संपर्क का लाभ मिल सके।
- **क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान:** पूर्वोत्तर के छोटे हवाई अड्डों को उन्नत हवाई सेवाएं प्रदान करता है, जिससे क्षेत्रीय एकीकरण और आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलता है।
- **कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट परियोजना:** भारत के पूर्वोत्तर को म्यांमार और बंगाल की खाड़ी से जोड़ने वाला बहु-मॉडल परिवहन नेटवर्क विकसित करना।
- इसमें व्यापार और रसद में सुधार के लिए सड़क, जलमार्ग और बंदरगाह विकास शामिल है।
- अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक आसान पहुंच की सुविधा प्रदान करता है तथा क्षेत्रीय व्यापार मार्गों को बढ़ाता है।
- **भारत-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग:** क्षेत्रीय व्यापार और संपर्क को बढ़ावा देने के लिए भारत, म्यांमार और थाईलैंड को जोड़ने वाला राजमार्ग बनाया जायेगा।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- इससे पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच स्थलीय सम्पर्क बढ़ेगा, आर्थिक संबंध और व्यापार के अवसर बढ़ेंगे।

➢ पर्यटन पहल

- **स्वदेश दर्शन योजना:** विषयगत पर्यटन सर्किट विकसित करना तथा सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन को बढ़ावा देना।
- पर्यटन और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर में पर्यटन बुनियादी ढांचे और आकर्षणों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **डिजिटल नॉर्थ ईस्ट विजन 2022:** पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी, शासन और सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बढ़ावा देना।
- इसका उद्देश्य डिजिटल पहुंच और साक्षरता में सुधार लाना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।
- **राष्ट्रीय बांस मिशन:** सतत विकास के लिए बांस के विकास और उपयोग को बढ़ावा देना।
- बांस की खेती और उद्योग को समर्थन देता है, जो बांस संसाधनों की प्रचुरता के कारण पूर्वोत्तर में महत्वपूर्ण है।

रक्षा खरीद और आधुनिकीकरण

***संदर्भ**: हाल ही में डी.ए.सी. ने फ्रिगेट, वाहन और रडार सहित प्रमुख रक्षा अधिग्रहणों को मंजूरी दी है।*

➢ अवलोकन :

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 10 पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

➢ प्रमुख अधिग्रहण :

- स्टेल्थ फ्रिगेट्स
- भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू वाहन (FRCV) : FRCV

➢ रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी)

- **स्थापना:** 2001
- **उद्देश्य** : प्रमुख रक्षा खरीद और अधिग्रहण परियोजनाओं की देखरेख और अनुमोदन करना।
- **अध्यक्ष** : भारत के रक्षा मंत्री।
- **प्रमुख सदस्य** :
  - चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) या चेयरमैन, चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी (सीओएससी)
  - सचिव (रक्षा उत्पादन)
  - सचिव (रक्षा वित्त)
  - सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख
- **जिम्मेदारियां** :
  - उच्च मूल्य की रक्षा खरीद परियोजनाओं को मंजूरी देना।
  - रक्षा अधिग्रहण के लिए नीति निर्माण करना।
  - बजट आवंटन और प्रबंध करना।

➢ प्रमुख रक्षा परियोजनाओं को मंजूरी दी गई

- **स्टील्थ फ्रिगेट्स**
  - **परियोजना-17ए** : परियोजना-17 से पहले, इसका उद्देश्य भारतीय नौसेना को स्टेल्थ क्षमताओं के साथ आधुनिक बनाना था।
  - **स्टेल्थ प्रौद्योगिकी** : रडार क्रॉस-सेक्शन को कम करने और नौसेना परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए शुरू की गई।
  - **पिछले आदेश** : प्रोजेक्ट-17 (शिवालिक-क्लास) और प्रोजेक्ट-15ए (कोलकाता-क्लास) जैसे पूर्ववर्ती फ्रिगेट वर्गों ने उन्नत फ्रिगेटों की नींव रखी थी।
- **भविष्य के लिए तैयार लड़ाकू वाहन (एफआरसीवी)**
  - **टी-72 और टी-90** : वर्तमान में उपयोग में आने वाले मुख्य युद्धक टैंक; एफआरसीवी का लक्ष्य इन पुरानी प्रणालियों को प्रतिस्थापित करना है।
  - **पिछले प्रयास** : अर्जुन टैंक परियोजना जैसे पहले के प्रयासों में देरी और चुनौतियों का सामना करना पड़ा था।
  - **आधुनिकीकरण अभियान** : यह उभरते खतरों के जवाब में भूमि युद्ध प्रणालियों को उन्नत करने के व्यापक प्रयास का एक हिस्सा है।
- **वायु रक्षा अग्नि नियंत्रण रडार (एफसीआर)**
  - **पूर्ववर्ती प्रणालियाँ** : पूर्ववर्ती वायु रक्षा प्रणालियों में पारंपरिक रडार और मिसाइल प्रणालियाँ शामिल थीं।
  - **उन्नयन** : एफसीआर आधुनिक, एकीकृत वायु रक्षा प्रणालियों की ओर एक कदम है।
  - **सामरिक महत्व** : इससे हवाई खतरों का अधिक प्रभावी ढंग से पता लगाने और उनसे निपटने की भारत की क्षमता में वृद्धि होगी।
- **डोर्नियर-228 विमान**
  - **पूर्व उपयोग** : डोर्नियर-228 का उपयोग समुद्री निगरानी, परिवहन और टोही के लिए किया गया है।
  - **आधुनिकीकरण** : नवीनतम अधिग्रहण का उद्देश्य पुराने विमानों को बदलना और तटरक्षक क्षमताओं में सुधार करना है।
  - **उन्नत भूमिका** : समुद्री निगरानी और गश्त क्षमताओं को उन्नत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **अगली पीढ़ी के तेज़ गश्ती और अपतटीय गश्ती पोत**
  - **पूर्ववर्ती वर्ग** : पहले के जहाज कम उन्नत थे, उनकी परिचालन सीमा और प्रौद्योगिकी सीमित थी।
  - **आधुनिक आवश्यकताएं** : नए गश्ती जहाज समुद्री सुरक्षा और आपदा प्रतिक्रिया में बेहतर क्षमताओं की आवश्यकता को पूरा करते हैं।
  - **सामरिक भूमिका** : यह भारतीय तटरक्षक बल की निगरानी करने और समुद्री खतरों पर प्रतिक्रिया करने की क्षमता को बढ़ाता है।

➢ आधुनिकीकरण पहल

- **लक्ष्य** : स्वीकृत एओएन का 99% हिस्सा खरीदें (भारतीय) और खरीदें (भारतीय-स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित) श्रेणियों के अंतर्गत स्वदेशी स्रोतों से हैं।

➢ उद्देश्य:

- **आत्मनिर्भरता** : राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित प्रणालियों पर जोर देना।
- **नीति ढांचा** : दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए अद्यतन रक्षा खरीद प्रक्रियाओं (डीपीपी) का पालन करना।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 September, 2024

भारत की अर्थव्यवस्था पर विश्व बैंक की रिपोर्ट

__संदर्भ__: विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के अनुमान को 6.6% से संशोधित कर 7% किया है।

अवलोकन:

- उद्योग एवं सेवाओं में धीमी वृद्धि; कृषि में वृद्धि की उम्मीद है।
- जीएफसीएफ में गिरावट; नीतिगत सुधारों के बावजूद संरक्षणवाद के कारण व्यापार चुनौतियां बनी हुई है।
- शहरी युवा बेरोजगारी (17%) अधिक है तथा श्रम-प्रधान क्षेत्रों में वैश्विक बाजार हिस्सेदारी कम हो गई है।

विश्व बैंक

- **गठन** : 1944 में IMF के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) के रूप में इसकी स्थापना की गई। बाद में इसका नाम बदलकर विश्व बैंक कर दिया गया।
- **भूमिका** : सतत विकास और गरीबी उन्मूलन के लिए विकासशील देशों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- **स्थिति** : संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसियों में से एक।

संरचना और सदस्यता

- **विश्व बैंक समूह** : इसमें विकास प्रयासों को समर्थन देने के लिए मिलकर काम करने वाली पांच संस्थाएं शामिल हैं।
- **सदस्य** : भारत सहित 189 सदस्य देश।

प्रमुख रिपोर्टें

- **मानव पूंजी सूचकांक** : श्रमिकों की अगली पीढ़ी की संभावित उत्पादकता का आकलन करता है।
- **विश्व विकास रिपोर्ट** : वैश्विक विकास चुनौतियों और समाधानों पर केंद्रित है।

***नोट:** ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस इंडेक्स संबंधी रिपोर्ट अब प्रकाशित नहीं होती है।*

पाँच विकास संस्थान

- **अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (आईबीआरडी)**
- **अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (आईडीए)**
- **अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी)**
- **बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (MIGA)**
- **निवेश विवाद निपटान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (आईसीएसआईडी)**

शेयर होल्डिंग

- **सबसे बड़े शेयरधारक** :
  - **संयुक्त राज्य अमेरिका** : 16.41% वोट.
  - **जापान** : 7.87%.
  - **जर्मनी** : 4.49%.
  - **यूनाइटेड किंगडम** : 4.31%.
  - **फ्रांस** : 4.31%.
  - **शेष हिस्सा** : अन्य सदस्य देशों के बीच वितरित किया जाता है।

भारत के लिए हालिया अनुमान

- **भारत की जीडीपी वृद्धि:** वित्त वर्ष 2024 में 8.2%, वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित कर 7%, तथा वित्त वर्ष 2026 के लिए 6.7% अनुमानित है।

क्षेत्रीय प्रदर्शन और व्यापार अनुमान

- **औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि** : वित्त वर्ष 2024 में 9.5%, वित्त वर्ष 2025 में 7.6%, वित्त वर्ष 26 में 7.3% अनुमानित है।
- **सेवा क्षेत्र की वृद्धि** : वित्त वर्ष 2024 में 7.6%, वित्त वर्ष 2025 में 7.4%, वित्त वर्ष 26 में 7.1% अनुमानित है।
- **कृषि क्षेत्र की वृद्धि** : वित्त वर्ष 2024 में 1.4%, वित्त वर्ष 2025 में 4.1% रहने का अनुमान है।
- **व्यापार अनुमान** :
  - **निर्यात** : वित्त वर्ष 2025 में 7.2%, वित्त वर्ष 26 में 7.2%, वित्त वर्ष 2027 में 7.9% है।
  - **आयात** : वित्त वर्ष 2025 में 4.1%, वित्त वर्ष 26 में 6.3%, वित्त वर्ष 2027 में 7.3% है।
- **चालू खाता घाटा (सीएडी)** :
  - वित्त वर्ष 2023: 2%
  - वित्त वर्ष 2024: 0.7%
  - वित्त वर्ष 2025: 1.1%
  - वित्त वर्ष 2026: 1.2%
  - वित्त वर्ष 2027: 1.6%
- **विदेशी मुद्रा भंडार** : 670.1 बिलियन डॉलर (11 महीने के आयात कवर पर)।

विश्व बैंक द्वारा रेखांकित प्रमुख चुनौतियाँ

- **शहरी युवा बेरोजगारी** : 17% पर उच्च बनी हुई है, जिससे समग्र आर्थिक स्थिरता प्रभावित हो रही है।
- **घटती बाजार हिस्सेदारी** : भारत परिधान और जूते जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में अपनी जमीन खो रहा है।
- **औद्योगिक विकास में मंदी** : वित्त वर्ष 2024 में 9.5% से वित्त वर्ष 2026 में 7.3% तक घटने का अनुमान है।
- **व्यापार बाधाएँ** : राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति में सुधार के बावजूद संरक्षणवाद और टैरिफ बाधाओं में वृद्धि से व्यापार पर असर पड़ सकता है।

विश्व बैंक द्वारा सुझाए गए समाधान

- **बुनियादी ढांचे और रियल एस्टेट निवेश को बढ़ावा देना**
- **प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना**
- **निर्यात बास्केट(टोकरी) में विविधता लाना**

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 September, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

वोखा साथी व्हाट्सएप चैटबॉट

हाल ही में, वोखा साथी व्हाट्सएप चैटबॉट को महाराष्ट्र के मुंबई में आयोजित ई-गवर्नेंस पर 27वें राष्ट्रीय सम्मेलन में ई-गवर्नेंस योजना 2023-2024 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों में प्रतिष्ठित स्वर्ण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वोखा साथी व्हाट्सएप चैटबॉट के बारे में:

- वोखा साथी व्हाट्सएप चैटबॉट नागालैंड के वोखा जिला प्रशासन की एक अभिनव पहल है।
- यह पहल एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह ई-गवर्नेंस में अपने योगदान के लिए स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त करने वाला नागालैंड का पहला है।
- यह पहल सरकारी सेवाओं को बढ़ाने के लिए SAATHI (स्मार्ट AI-आधारित सहायक समय पर सहायता और इंटरफ़ेस के लिए) नामक एक AI-आधारित स्मार्ट सहायक का उपयोग करती है।
- चैटबॉट 40 से अधिक सरकारी सेवाओं को एक ही प्लेटफ़ॉर्म पर एकीकृत करता है, जिससे निवासियों को आवश्यक सेवाओं तक आसान पहुँच मिलती है।
- यह सरकार और नागरिकों के बीच दो-तरफ़ा संचार की सुविधा प्रदान करता है, जिससे वास्तविक समय में सहायता और सक्रिय सूचना शिक्षा अभियान संभव हो पाते हैं।
- चैटबॉट 24×7 आधार पर संचालित होता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि निवासियों को महत्वपूर्ण जानकारी और सेवाओं तक निरंतर पहुँच मिलती रहे।

ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI)

हाल ही में, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) ने ENTOD फार्मास्यूटिकल्स के प्रेसवू आई ड्रॉप्स को मंजूरी दी है, जिसे प्रेसबायोपिया वाले व्यक्तियों के लिए पढ़ने के चश्मे पर निर्भरता कम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के बारे में:

- ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (DCGI) केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (CDSCO) का प्रमुख है।
- DCGI दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, नई दवाओं को मंजूरी देने, नैदानिक परीक्षणों को विनियमित करने, दवा नियम स्थापित करने और रक्त उत्पादों और टीकों जैसी विशिष्ट दवा श्रेणियों के लिए लाइसेंस को मंजूरी देने के लिए जिम्मेदार है।
- सरकार ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को उनकी योग्यता और दवा विनियमन में विशेषज्ञता के आधार पर नियुक्त करती है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन:

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रावधानों को लागू करने के लिए जिम्मेदार केंद्रीय औषधि प्राधिकरण है।
- यह भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- यह भारत में फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के लिए राष्ट्रीय विनियामक प्राधिकरण (एनआरए) के रूप में कार्य करता है।
- यह भारत में फार्मास्यूटिकल दवाओं के विपणन के लिए अनुमोदन प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।

स्थायी समितियाँ

हाल ही में, शशि थरूर ने स्थायी समितियों के गठन को लेकर केंद्र की आलोचना की, प्रक्रिया और संसदीय निगरानी पर इसके प्रभाव पर सवाल उठाए।

स्थायी समितियों के बारे में:

- भारतीय संसद में, स्थायी समितियाँ स्थायी समितियाँ होती हैं जो विधेयकों, नीतियों और विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के कामकाज की जाँच करती हैं।
- ये समितियाँ संसद के प्रत्येक सत्र की शुरुआत में गठित की जाती हैं और सत्र के अंत तक जारी रहती हैं।
- वे अनुदानों की माँगों की जाँच करने, वार्षिक रिपोर्टों की जाँच करने, दीर्घकालिक नीतियों की जाँच करने और संसद में सूचित चर्चा को सुविधाजनक बनाने के लिए जिम्मेदार हैं।
- कुल 24 विभागीय स्थायी समितियाँ हैं, जिनमें से 16 लोक सभा के अधीन और 8 राज्य सभा के अधीन हैं।

समाचार में स्थान

ब्रुनेई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज 4 सितंबर को ब्रुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया से बातचीत करेंगे।

ब्रुनेई (राजधानी: बंदर सेरी बेगवान)

स्थान: ब्रुनेई दक्षिण पूर्व एशिया में बोर्नियो द्वीप के उत्तरी तट पर स्थित एक देश है।

सीमाएँ: ब्रुनेई की सीमाएँ दक्षिण चीन सागर (उत्तर) और मलेशियाई राज्य सारावाक (पूर्व, पश्चिम और दक्षिण) से मिलती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- ब्रुनेई का सबसे ऊँचा स्थान बुकिट पैगन है।
- ब्रुनेई की प्रमुख नदियाँ ब्रुनेई नदी, टुटोंग नदी और बेलाइट नदी हैं।
- ब्रुनेई के प्राथमिक खनिजों में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस शामिल हैं।
- ब्रुनेई में उष्णकटिबंधीय वर्षावन जलवायु है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

POINTS TO PONDER

- मंगोलिया के राष्ट्रपति कौन हैं? – **उखनागीन खुरेलसुख**
- मानसखंड एक्सप्रेस किस राज्य के पर्यटन से जुड़ी है? – **उत्तराखंड**
- वक्फ विधेयक किससे संबंधित है? – **वक्फ विधेयक भारत में वक्फ संपत्तियों और संस्थाओं के शासन और प्रबंधन से संबंधित है।**
- कोर एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (CAS) किस केंद्रीय सरकार की योजना से संबंधित है? – **अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस)**
- इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) क्या है? – **आईईडी एक घर में बनाया गया बम है जिसे विनाश या नुकसान पहुंचाने के लिए बनाया गया है।**